तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» तलपट का अर्थ और उद्देश्य

प्रश्न 1 (आसान). तलपट का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – खाता बही की अंकगणितीय शुद्धता की जाँच करना।

प्रश्न 2 (आसान). अगर तलपट नहीं मिलता, तो इसका क्या मतलब है?
उत्तर – लेखांकन प्रविष्टियों में कोई अशुद्धि है।

प्रश्न 3 (मध्यम). तलपट कब बनाया जाता है?
उत्तर – सामान्यतः लेखा अवधि के अंत में, जैसे मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक या वार्षिक।

प्रश्न 4 (कठिन). क्या तलपट का मिलना यह सिद्ध करता है कि कोई अशुद्धि नहीं है? उदाहरण सहित समझाएँ।
उत्तर – नहीं, तलपट का मिलना यह सिद्ध नहीं करता कि कोई अशुद्धि नहीं है। कुछ गलतियाँ, जैसे गलत खाते में प्रविष्टि या पूरी एंट्री भूल जाना, तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करतीं। उदाहरण के लिए, अगर आपने 'राम' के बजाय 'श्याम' के खाते में ₹500 की एंट्री कर दी, तो डेबिट-क्रेडिट तो बराबर रहेगा, लेकिन खाता गलत होगा।

» तलपट बनाने की विधियाँ

प्रश्न 5 (आसान). तलपट बनाने की कितनी मुख्य विधियाँ हैं?
उत्तर – तीन विधियाँ हैं।

प्रश्न 6 (आसान). कौन सी विधि सबसे ज़्यादा उपयोग की जाती है?
उत्तर – शेष विधि (Balance Method)।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर एक खाते का डेबिट योग 10,000 और क्रेडिट योग 7,000 है, तो शेष विधि से उसका तलपट में क्या दिखेगा?
उत्तर – 3,000 रुपये का डेबिट शेष।

प्रश्न 8 (कठिन). योग विधि और शेष विधि में क्या मुख्य अंतर है? कौन सी विधि वित्तीय विवरण बनाने में अधिक उपयोगी है और क्यों?
उत्तर – योग विधि में खातों के कुल डेबिट और क्रेडिट योग दिखाए जाते हैं, जबकि शेष विधि में खातों के सिर्फ अंतिम शेष (डेबिट या क्रेडिट) दिखाए जाते हैं। शेष विधि वित्तीय विवरण बनाने में अधिक उपयोगी है क्योंकि यह खाते की शुद्ध स्थिति दर्शाती है, जिससे लाभ-हानि खाता और बैलेंस शीट बनाना आसान हो जाता है।

» तलपट के मिलान का महत्व और सीमाएं

प्रश्न 9 (आसान). तलपट का मिलान क्या बताता है?
उत्तर – यह बताता है कि डेबिट और क्रेडिट का योग बराबर है, यानी अंकगणितीय शुद्धता है।

प्रश्न 10 (आसान). अगर तलपट नहीं मिल रहा, तो इसका क्या मतलब है?
उत्तर – इसका मतलब है कि अकाउंटिंग रिकॉर्ड्स में कहीं न कहीं गलती है।

प्रश्न 11 (मध्यम). क्या तलपट का मिलान यह गारंटी देता है कि सभी लेनदेन बिल्कुल सही दर्ज हुए हैं?
उत्तर – नहीं, यह केवल अंकगणितीय शुद्धता की जाँच करता है, सभी प्रकार की अशुद्धियों का पता नहीं लगाता।

प्रश्न 12 (कठिन). किस प्रकार की गलतियों से तलपट का मिलान प्रभावित नहीं होता, फिर भी वे गलतियाँ होती हैं?
उत्तर – छूट की अशुद्धि (error of omission), क्षतिपूरक अशुद्धियाँ (compensating errors), या सैद्धांतिक अशुद्धियाँ (errors of principle) तलपट को प्रभावित नहीं करतीं।

» अशुद्धियों का वर्गीकरण: लेख, लोप, सैद्धांतिक और क्षतिपूरक अशुद्धियाँ

प्रश्न 13 (आसान). रवि को 2000 रुपये का माल बेचा, लेकिन विक्रय बही में 200 रुपये लिख दिए गए। यह कौन सी अशुद्धि है?
उत्तर – लेख अशुद्धि

प्रश्न 14 (आसान). एक ग्राहक से 5000 रुपये नकद मिले, लेकिन कैश बुक में इसकी एंट्री करना ही भूल गए। यह कौन सी अशुद्धि है?
उत्तर – पूर्ण लोप अशुद्धि

प्रश्न 15 (मध्यम). एक नई मशीन स्थापित करने में 10,000 रुपये का खर्चा आया, जिसे 'मजदूरी खाते' में डाल दिया गया। यह किस प्रकार की अशुद्धि है?
उत्तर – सैद्धांतिक अशुद्धि (क्योंकि मशीन स्थापना पर खर्च पूंजीगत होता है, मजदूरी नहीं)

प्रश्न 16 (कठिन). क्रय वापसी बही का जोड़ 1000 रुपये ज़्यादा लगा दिया गया, और साथ ही विक्रय बही का जोड़ 1000 रुपये कम लगा दिया गया। ये दोनों मिलकर कौन सी अशुद्धि बना रहे हैं?
उत्तर – क्षतिपूरक अशुद्धि (क्योंकि एक गलती ने दूसरी गलती के प्रभाव को बराबर कर दिया)

» अशुद्धियों को ज्ञात करने के तरीके

प्रश्न 17 (आसान). अगर तलपट का योग नहीं मिल रहा है, तो पहला कदम क्या होना चाहिए?
उत्तर – डेबिट और क्रेडिट योगों को दोबारा जोड़ना।

प्रश्न 18 (आसान). अगर तलपट में ₹400 का अंतर है, और यह 2 से विभाजित हो रहा है, तो कौन सी संभावना बनती है?
उत्तर – ₹200 की किसी प्रविष्टि का गलत पक्ष में खतौनी (posting) हो गई हो।

प्रश्न 19 (मध्यम). तलपट में ₹450 का अंतर है। यह 9 से विभाजित हो रहा है। इसका क्या मतलब हो सकता है?
उत्तर – अंकों के क्रम बदलने (transposition) की गलती हुई हो सकती है, जैसे ₹540 को ₹450 लिख दिया हो।

प्रश्न 20 (कठिन). एक तलपट में ₹1,000 का अंतर है। क्या यह सिर्फ एक ही गलती के कारण है या कई गलतियों के कारण भी हो सकता है?
उत्तर – यह एक या एक से ज़्यादा गलतियों के कारण हो सकता है। हमें ऊपर बताए गए सभी तरीकों से जांच करनी होगी।

» तलपट को प्रभावित न करने वाली अशुद्धियों का शोधन

प्रश्न 21 (आसान). रजनी को 5,000 रु. के उधार विक्रय को लेखा बहियों में बिल्कुल दर्ज नहीं किया गया।
उत्तर – रजनी का खाता Dr. 5,000, विक्रय खाते से Cr. 5,000

प्रश्न 22 (आसान). किराया भुगतान 2,000 रु. को गलती से मकान मालिक के खाते में डेबिट कर दिया।
उत्तर – किराया खाता Dr. 2,000, मकान मालिक खाते से Cr. 2,000

प्रश्न 23 (मध्यम). मैसर्स राव फर्निशिंग से खरीदे गए 8,000 रु. के फर्नीचर को क्रय बही में दर्ज कर दिया।
उत्तर – फर्नीचर खाता Dr. 8,000, क्रय खाते से Cr. 8,000

प्रश्न 24 (कठिन). करीम से प्राप्त 6,000 रु. की खतौनी गलती से नदीम के खाते में कर दी गई।
उत्तर – करीम का खाता Dr. 6,000, नदीम का खाता Cr. 6,000

» उचंती खाता और तलपट को प्रभावित करने वाली अशु(ियों का शोधन

प्रश्न 25 (आसान). तलपट के डेबिट में ₹1000 का अंतर होने पर उचंती खाते की क्या प्रविष्टि होगी?
उत्तर – Suspense A/c Dr. ₹1000

प्रश्न 26 (आसान). उचंती खाता कौन सी अशुद्धियों को ठीक करने में मदद करता है?
उत्तर – एकपक्षीय अशुद्धियाँ (One-sided errors)

प्रश्न 27 (मध्यम). वेतन खाते में ₹200 कम डेबिट किए गए थे। तलपट के मिल जाने के बाद इस अशुद्धि का शोधन उचंती खाते का प्रयोग करके कीजिए।
उत्तर – Wages A/c Dr. ₹200 to Suspense A/c Cr. ₹200

प्रश्न 28 (कठिन). एक फर्नीचर की खरीद ₹5,000 की थी, जिसे गलती से क्रय खाते (Purchase Account) में डेबिट कर दिया गया और तलपट मिल गया। अब इस गलती को उचंती खाते का उपयोग करके कैसे ठीक करेंगे?
उत्तर – Purchases A/c Cr. ₹5,000 (wrong debit reversed), Furniture A/c Dr. ₹5,000 (correct debit applied). Since तलपट मलि चुका है, यह एक द्वपिक्षीय अशुद्धि है जो गलत खाते में हुई है। इसलिए, यहां उचंती खाते का उपयोग नहीं होगा। सही जर्नल प्रविष्टि होगी: Furniture A/c Dr. ₹5,000 to Purchases A/c Cr. ₹5,000

» आगामी लेखांकन वर्ष में अशुद्धियों का शोधन

प्रश्न 29 (मध्यम). पिछले वर्ष (31 मार्च 2023) में मशीनरी की बिक्री को गलती से विक्रय खाते में ₹5,000 से दर्ज कर लिया गया था। इस गलती का आगामी लेखांकन वर्ष (1 अप्रैल 2023 से) में शोधन करने के लिए जर्नल एंट्री बताओ।
उत्तर – लाभ-हानि समायोजन खाता Dr. ₹5,000
विक्रय खाता Cr. ₹5,000
(मशीनरी की बिक्री को गलती से विक्रय में दर्ज करने का शोधन)

प्रश्न 30 (कठिन). 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों के बाद पता चला कि किराया मद में ₹2,000 का भुगतान दो बार दर्ज हो गया था। इस अशुद्धि का आगामी लेखांकन वर्ष (1 अप्रैल 2024 से) में शोधन कैसे करेंगे, और इसका उचंती खाते के शेष पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर – यहां किराया मद में ₹2,000 का भुगतान दो बार दर्ज हुआ है, मतलब व्यय ₹2,000 से ज्यादा दिखाया गया, और लाभ ₹2,000 से कम।
जर्नल एंट्री:
उचंती खाता Dr. ₹2,000
लाभ-हानि समायोजन खाता Cr. ₹2,000
(किराये के दोहरे दर्ज को सुधारने के लिए)
यदि इस अशुद्धि के कारण उचंती खाते का डेबिट शेष था, तो यह एंट्री उस शेष को ₹2,000 से कम कर देगी। यदि यह अकेली गलती थी, तो उचंती खाता बंद हो जाएगा।

» अशुद्धियों के शोधन के मार्गदर्शक सिद्धांत

प्रश्न 31 (आसान). यदि सोहन को 5,000 रुपये के नकद भुगतान की खतौनी उसके खाते में नहीं की गई, तो गलती किस स्तर पर हुई मानी जाएगी?
उत्तर – खतौनी के स्तर पर।

प्रश्न 32 (आसान). अगर क्रय बही का जोड़ 1,000 रुपये कम लगाया गया, तो यह अशुद्धि मुख्य रूप से किस खाते को प्रभावित करेगी?

उत्तर – क्रय खाते को।

प्रश्न 33 (मध्यम). श्याम से 10,000 रुपये के उधार विक्रय का अभिलेखन गलती से विक्रय वापसी बही में कर दिया गया। इस अशुद्धि को ठीक करने के लिए कौन-कौन से खाते प्रभावित होंगे?

उत्तर – विक्रय खाता, विक्रय वापसी खाता, और श्याम का खाता।

प्रश्न 34 (कठिन). फर्नीचर पर अपलिखित 5,000 रुपये के ह्रास की खतौनी ह्रास खाते में नहीं की गई, लेकिन मशीन खाते में सही कर दी गई। इस अशुद्धि को ठीक करने के लिए कौन सी प्रविष्टि होगी?

उत्तर – ह्रास खाता Dr. 5,000, उचंती खाते से Cr. 5,000 (यह मानते हुए कि मशीन खाते की एंट्री सही है और ह्रास खाते की कमी के लिए उचंती खाता प्रयोग होगा)।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक फर्म के पास कुछ खाते और उनके शेष दिए गए हैं। तलपट बनाकर दिखाएँ कि यह अंकगणितीय रूप से सही है या नहीं।

› खाते दिए गए हैं: पूंजी ₹50,000 (Cr), मशीनरी ₹30,000 (Dr), नकद ₹10,000 (Dr), विक्रय ₹40,000 (Cr), क्रय ₹35,000 (Dr), वेतन ₹15,000 (Dr)।

› सबसे पहले, हम एक तलपट का प्रारूप बनाएंगे जिसमें 'खाता शीर्षक', 'डेबिट राशि' और 'क्रेडिट राशि' के कॉलम होंगे।

› अब, हम हर खाते को सही कॉलम में लिखेंगे। संपत्ति और खर्चे हमेशा 'डेबिट' में आते हैं, और पूंजी, आय व दायित्व हमेशा 'क्रेडिट' में आते हैं।

› मशीनरी (₹30,000) को डेबिट में।

› नकद (₹10,000) को डेबिट में।

› क्रय (₹35,000) को डेबिट में।

› वेतन (₹15,000) को डेबिट में।

› पूंजी (₹50,000) को क्रेडिट में।

› विक्रय (₹40,000) को क्रेडिट में।

› अब, डेबिट कॉलम की सभी राशियों का कुल योग करें: 30,000 + 10,000 + 35,000 + 15,000 = ₹90,000।

› फिर, क्रेडिट कॉलम की सभी राशियों का कुल योग करें: 50,000 + 40,000 = ₹90,000।

› देखो, डेबिट और क्रेडिट दोनों का योग बराबर है, यानी ₹90,000। इसका मतलब है कि खाता बही में पोस्टिंग और बैलेंसिंग अंकगणितीय रूप से सही है।

उत्तर – डेबिट योग = ₹90,000, क्रेडिट योग = ₹90,000। तलपट मिल गया है, अतः अंकगणितीय रूप से सही है।

उदाहरण 2. मान लीजिए, हमारे पास एक 'मोहन का खाता' है जिसमें डेबिट साइड में कुल 5000 रुपये और क्रेडिट साइड में कुल 3000 रुपये का योग है। इसका तलपट तीनों विधियों से कैसे बनाएंगे?

› योग विधि (Total Method): हम सीधे 'मोहन का खाता' लिखेंगे, डेबिट कॉलम में 5000 रुपये और क्रेडिट कॉलम में 3000 रुपये दिखा देंगे।

› शेष विधि (Balance Method): पहले मोहन के खाते का शेष निकालेंगे। 5000 (डेबिट) - 3000 (क्रेडिट) = 2000 रुपये का डेबिट शेष। तलपट में 'मोहन का खाता' लिखकर डेबिट कॉलम में 2000 रुपये दिखाएंगे।

› योग एवं शेष विधि (Total cum Balance Method): इसमें चार कॉलम बनेंगे। पहले दो में मोहन के खाते का डेबिट योग 5000 और क्रेडिट योग 3000 लिखेंगे। फिर अगले दो में उसका डेबिट शेष 2000 रुपये दिखाएंगे। क्रेडिट शेष में कुछ नहीं आएगा।

उत्तर – योग विधि: डेबिट 5000, क्रेडिट 3000; शेष विधि: डेबिट 2000; योग एवं शेष विधि: डेबिट योग 5000, क्रेडिट योग 3000, डेबिट शेष 2000।

उदाहरण 3. एक व्यापारी ने मोहन को 1000 रुपये का माल बेचा, लेकिन उसने गलती से बिक्री बही में 100 रुपये लिख दिए। क्या तलपट का मिलान प्रभावित होगा?

› पहला कदम: हमें देखना है कि इस लेनदेन की एंट्री कैसे होती है। मोहन (Debit) और बिक्री (Credit) दोनों 1000 रुपये से।

› दूसरा कदम: अब गलती देखते हैं। 'Sales Book' में 1000 की जगह 100 रुपये लिखा गया।

› तीसरा कदम: इसका मतलब मोहन का खाता भी 100 रुपये से डेबिट हुआ होगा, और Sales का खाता भी 100 रुपये से क्रेडिट हुआ होगा।

› चौथा कदम: क्योंकि Debit और Credit दोनों तरफ की अमाउंट में 'same error' हुई है (दोनों तरफ 900 रुपये कम लिखे गए), तो 'Trial Balance' अभी भी मिल जाएगा।

› निष्कर्ष: तलपट का मिलान प्रभावित नहीं होगा, लेकिन एंट्री गलत है।

उत्तर – नहीं, तलपट का मिलान प्रभावित नहीं होगा।

उदाहरण 4. एक फर्नीचर की दुकान ने 15,000 रुपये का एक नया काउंटर खरीदा। मुनीम ने इसे 'मरम्मत खाते (Repairs Account)' में डेबिट कर दिया। यह किस प्रकार की अशुद्धि है? समझाइए।

› पहचानो कि क्या खरीदा गया है और उसकी प्रकृति क्या है: यहाँ एक नया 'काउंटर' खरीदा गया है, जो व्यवसाय के लिए एक स्थायी संपत्ति है।

› लेखांकन के सिद्धांत को याद करें: स्थायी संपत्ति खरीदने पर किया गया खर्च 'पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure)' होता है और इसे संबंधित संपत्ति खाते में डेबिट किया जाना चाहिए (जैसे 'फर्नीचर खाता')।

› देखें कि मुनीम ने क्या किया: मुनीम ने इसे 'मरम्मत खाते (Repairs Account)' में डेबिट कर दिया, जो एक 'आयगत व्यय (Revenue Expenditure)' है।

› अशुद्धि का प्रकार पहचानें: यहाँ लेखांकन के मूल सिद्धांत का उल्लंघन हुआ है कि पूंजीगत व्यय को आयगत व्यय मान लिया गया।

› निष्कर्ष निकालें: यह एक सैद्धांतिक अशुद्धि है।

उत्तर – यह एक सैद्धांतिक अशुद्धि (Error of Principle) है क्योंकि नए काउंटर की खरीद (पूंजीगत व्यय) को गलती से मरम्मत व्यय (आयगत व्यय) मान लिया गया, जो लेखांकन के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है।

उदाहरण 5. एक तलपट में डेबिट पक्ष का योग ₹10,500 है और क्रेडिट पक्ष का योग ₹10,200 है। ₹300 का यह अंतर कैसे हो सकता है?

› पहला कदम: सबसे पहले, डेबिट और क्रेडिट दोनों योगों को दोबारा जोड़कर जाँचें कि कहीं जोड़ने में ही गलती तो नहीं हुई।

› दूसरा कदम: अब अंतर को ध्यान से देखें। अंतर ₹300 है। क्या यह 2 से विभाजित होता है? हाँ, ₹300 को 2 से भाग देने पर ₹150 आता है।

› तीसरा कदम: अगर अंतर 2 से विभाजित हो रहा है (यहाँ ₹150), तो एक संभावना यह है कि ₹150 की कोई प्रविष्टि गलत पक्ष में (डेबिट की जगह क्रेडिट या क्रेडिट की जगह डेबिट) पोस्ट हो गई हो। इसका मतलब है कि ₹150 की कोई डेबिट एंट्री गलती से क्रेडिट में लिख दी गई, जिससे डेबिट ₹150 कम और क्रेडिट ₹150 ज़्यादा दिख रहा है, और कुल अंतर ₹300 का हो गया है। तो, हमें ₹150 की सभी एंट्रीज को दोनों पक्षों में खोजना होगा।

› चौथा कदम: क्या यह अंतर 9 से विभाजित होता है? ₹300 / 9 = 33.33... नहीं होता। तो अंकों के क्रम बदलने की गलती (transposition error) की संभावना कम है।

› पाँचवाँ कदम: यह भी हो सकता है कि ₹300 की कोई एंट्री एक पक्ष में पोस्ट होना भूल गई हो। यानी ₹300 की कोई डेबिट एंट्री पोस्ट करना भूल गए हों, या ₹300 की कोई क्रेडिट एंट्री। तो हमें ₹300 की सभी प्रविष्टियों को एक बार फिर से खाता-बही में खोजना चाहिए।

उत्तर – ₹300 का अंतर या तो ₹150 की प्रविष्टि के गलत पक्ष में पोस्ट होने से हो सकता है, या ₹300 की किसी प्रविष्टि के एक पक्ष में छूट जाने से।

उदाहरण 6. हमने मोहन को 10,000 रुपये का उधार माल बेचा, लेकिन इसे लेखा-बहियों में 1,000 रुपये से दर्ज कर दिया। इस गलती को ठीक करने के लिए संशोधन प्रविष्टि करें।

› पहला कदम: हमें यह देखना है कि असल में क्या होना चाहिए था। मोहन का खाता डेबिट 10,000 रुपये से और विक्रय खाता क्रेडिट 10,000 रुपये से।

› दूसरा कदम: हमने गलती से क्या कर दिया? मोहन का खाता डेबिट 1,000 रुपये से और विक्रय खाता क्रेडिट 1,000 रुपये से।

› तीसरा कदम: अब देखो, मोहन के खाते में 9,000 रुपये (10,000 - 1,000) कम डेबिट हुए हैं और विक्रय खाते में भी 9,000 रुपये कम क्रेडिट हुए हैं।

› चौथा कदम: इस कमी को पूरा करने के लिए हमें मोहन के खाते को 9,000 रुपये से और डेबिट करना होगा, और विक्रय खाते को 9,000 रुपये से और क्रेडिट करना होगा।

› संशोधन प्रविष्टि: मोहन का खाता डेबिट 9,000 रुपये, विक्रय खाते से क्रेडिट 9,000 रुपये।

› विवरण: (मोहन को किए गए उधार विक्रय का 1,000 रु. से अभिलेखन करने की अशुद्धि का सुधार)

उत्तर – संशोधन प्रविष्टि: मोहन का खाता Dr. 9,000, विक्रय खाते से Cr. 9,000

उदाहरण 7. तलपट का डेबिट पक्ष ₹10,000 और क्रेडिट पक्ष ₹9,500 है। विक्रय वापसी खाते (Sales Return Account) में ₹500 की खतौनी (posting) नहीं की गई थी। इस अशुद्धि का शोधन उचंती खाते का उपयोग करके कीजिए।

› पहला कदम: तलपट में अंतर निकालना। डेबिट ₹10,000 - क्रेडिट ₹9,500 = ₹500 का डेबिट अंतर है। यानी डेबिट साइड ₹500 ज़्यादा है, या क्रेडिट साइड ₹500 कम है।

› दूसरा कदम: अंतर की राशि को उचंती खाते में डालकर तलपट मिलाना। क्योंकि क्रेडिट साइड ₹500 कम है, हम 'उचंती खाते' को ₹500 से क्रेडिट करेंगे ताकि तलपट मिल जाए। प्रविष्टि होगी: Suspense A/c Dr. ₹500 (नहीं, रुको! ये मैंने गलत बोल दिया। क्योंकि क्रेडिट साइड कम है, तो उचंती खाते को क्रेडिट ही करना पड़ेगा ताकि वह कमी पूरी हो। लेकिन अगर हम तलपट मिलाते समय अंतर डालते हैं तो... हाँ! तो डेबिट पक्ष में कमी दिख रही है, ₹500 कम हैं। इसका मतलब क्रेडिट पक्ष ₹500 ज़्यादा है। तो तलपट मिलाने के लिए उचंती खाते को डेबिट करेंगे।) नहीं, नहीं, बच्चों, मैं फिर से समझाती हूं, ध्यान से सुनो। अगर डेबिट साइड ₹10,000 है और क्रेडिट साइड ₹9,500 है, तो इसका मतलब है कि क्रेडिट साइड में ₹500 कम हैं। इस ₹500 की कमी को पूरा करने के लिए हम उचंती खाते को क्रेडिट करेंगे।

› तीसरा कदम: जब गलती मिल जाए। हमें पता चला कि विक्रय वापसी खाते में ₹500 की खतौनी नहीं हुई थी। विक्रय वापसी खाता हमेशा डेबिट होता है। तो अब हम सही प्रविष्टि बनाएंगे।

› शोधन प्रविष्टि: Sales Return A/c Dr. ₹500 to Suspense A/c Cr. ₹500

› स्पष्टीकरण: इससे विक्रय वापसी खाता डेबिट होकर सही हो जाएगा, और उचंती खाता क्रेडिट होने से बंद हो जाएगा क्योंकि अब गलती मिल गई है।

उत्तर – सही जर्नल प्रविष्टि: Sales Return A/c Dr. ₹500 to Suspense A/c Cr. ₹500

उदाहरण 8. 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वर्ष के वित्तीय विवरण तैयार होने के बाद, यह पता चला कि वेतन का भुगतान ₹1,000 कम दर्ज किया गया था। इस अशुद्धि का आगामी लेखांकन वर्ष (1 अप्रैल 2024 से शुरू) में शोधन कैसे करेंगे?

› पहला कदम: हमें यह समझना होगा कि यह गलती पिछले साल के वेतन (व्यय) को कम दिखा रही है। अगर वेतन कम दिखाया गया, तो पिछले साल का लाभ ₹1,000 ज़्यादा दिख रहा होगा।

› दूसरा कदम: क्योंकि पिछले साल के वित्तीय विवरण बन चुके हैं, हम सीधे वेतन खाते में सुधार नहीं कर सकते।

› तीसरा कदम: इस गलती को ठीक करने के लिए हम एक जर्नल एंट्री करेंगे, जिसमें 'लाभ-हानि समायोजन खाता' (Profit & Loss Adjustment Account) का उपयोग होगा।

› चौथा कदम: एंट्री कुछ इस तरह होगी:

› लाभ-हानि समायोजन खाता Dr. ₹1,000

› उचंती खाता Cr. ₹1,000

› (कम दर्ज किए गए वेतन के लिए शोधन)

› ध्यान दो, यहाँ 'उचंती खाता' क्रेडिट हो रहा है, क्योंकि पहले जब वेतन कम दर्ज किया गया होगा, तब उचंती खाता डेबिट हुआ होगा (क्योंकि तलपट में अंतर आया होगा)। अब उसे बंद करने के लिए क्रेडिट कर रहे हैं। अगर उचंती खाता

नहीं बनाया गया होता, तो सीधे 'लाभ-हानि समायोजन खाते' को डेबिट करते और उस विशेष व्यय खाते को क्रेडिट करते जिससे गलती हुई थी।

उत्तर – इस अशुद्धि का शोधन लाभ-हानि समायोजन खाते के माध्यम से किया जाएगा, जिससे पिछले वर्ष के लाभ पर हुए गलत प्रभाव को अगले वर्ष समायोजित किया जा सके, बिना अगले वर्ष के सामान्य आय विवरण को प्रभावित किए।

उदाहरण 9. रघु से 20,000 रुपये के उधार क्रय का अभिलेखन क्रय बही में सही हुआ, लेकिन रघु के खाते में इसकी खतौनी नहीं की गई। इसे कैसे ठीक करें?

› स्टेप 1: पहले पहचानें कि गलती कहाँ हुई है। यहाँ गलती 'खतौनी के स्तर' पर हुई है, क्योंकि रघु के खाते में एंट्री नहीं हुई है।

› स्टेप 2: इस सिद्धांत के अनुसार, हम यह मानेंगे कि प्रारंभिक प्रविष्टि (क्रय बही में) सही हुई थी।

› स्टेप 3: क्योंकि खतौनी नहीं हुई है, और यह सिर्फ एक खाते (रघु के खाते) को प्रभावित कर रही है, तो हमें उचंती खाता खोलना होगा।

› स्टेप 4: रघु का खाता क्रेडिट होना था (क्योंकि उसने माल दिया), लेकिन नहीं हुआ। तो अब क्रेडिट करेंगे।

› स्टेप 5: डेबिट करने के लिए उचंती खाते का उपयोग करेंगे, क्योंकि अभी तक तलपट नहीं मिला होगा और एक तरफ़ा गलती है।

› संशोधन प्रविष्टि: उचंती खाता डेबिट 20,000 रुपये से, और रघु के खाते से क्रेडिट 20,000 रुपये।

उत्तर – संशोधन प्रविष्टि: उचंती खाता Dr. 20,000, रघु के खाते से Cr. 20,000

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। तलपट के अर्थ और उद्देश्यों को अच्छे से समझें, और उन अशुद्धियों पर विशेष ध्यान दें जो तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करतीं।

• शेष विधि से तलपट बनाना बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। इसके प्रारूप (format) और खातों के शेष निकालने के सही तरीके पर विशेष ध्यान देना।

• तलपट के महत्व और सीमाओं पर अक्सर 'short notes' या 'difference between' वाले सवाल आते हैं। 'error of omission' और 'compensating errors' जैसे उदाहरणों के साथ समझना बहुत ज़रूरी है।

• सैद्धांतिक और क्षतिपूरक अशुद्धियों के उदाहरण देकर स्पष्टीकरण अक्सर बोर्ड परीक्षा में आता है, इन्हें अच्छे से समझना और याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! अक्सर तलपट में अंतर आने पर अशुद्धि ढूँढने के चरण और विभिन्न प्रकार के अंतरों का विश्लेषण (जैसे 2 या 9 से विभाज्य) पर प्रश्न आते हैं। इसे ध्यान से पढ़ना और समझना।

• बोर्ड परीक्षा में, इन अशुद्धियों को पहचानने और सही संशोधन प्रविष्टि बनाने पर विशेष ध्यान दें। 'सही प्रविष्टि क्या होनी चाहिए थी' और 'गलती से क्या हो गया' - इन दोनों को अलग-अलग लिखकर तुलना करने से कभी गलती नहीं होगी।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर तलपट न मिलने पर उचंती खाते का उपयोग करके अशुद्धियों का शोधन करने पर प्रश्न आते हैं। ध्यान रहे कि उचंती खाता केवल एकपक्षीय अशुद्धियों के लिए ही बनता है, द्विपक्षीय के लिए नहीं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'जर्नल एंट्री' के रूप में पूछी जाती है, जहाँ आपको 'लाभ-हानि समायोजन खाते' का सही उपयोग दिखाना होता है। इसे ध्यान से समझना, यह मुश्किल लग सकता है पर बहुत स्कोरिंग है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में 'अशुद्धि का प्रकार पहचानना' और 'संशोधन प्रविष्टि देना' वाले प्रश्नों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन सिद्धांतों को अच्छे से समझकर आप गलतियों को सटीक रूप से ठीक कर पाएंगे।

एक नज़र में रिवीज़न

› तलपट: खातों की अंकगणितीय शुद्धता जांचना, वित्तीय विवरणों का आधार।
› तलपट की 3 विधियाँ: योग, शेष (प्रचलित), योग-शेष।
› तलपट मिलान: अंकगणितीय शुद्धता, पर सभी गलतियों का पता नहीं चलता।
› अशुद्धियाँ: लेख, लोप, सैद्धांतिक, क्षतिपूरक; पहचानना महत्वपूर्ण।
› तलपट मिलान न होने पर अशुद्धियाँ ढूँढने के लिए योग, खातों और अंतर का विश्लेषण करें।
› द्विपक्षीय अशुद्धियां तलपट को प्रभावित नहीं करतीं; जर्नल प्रविष्टि से सुधारें।
› उचंती खाता: तलपट अंतर, एकपक्षीय अशुद्धियों का अस्थायी शोधन।
› वित्तीय विवरण के बाद गलती मिले तो उचंती खाता अगले वर्ष, लाभ-हानि समायोजन खाता प्रयोग।
› अशुद्धि के स्तर (प्रारंभिक/खतौनी) के अनुसार शोधन सिद्धांत लागू करें।